विधानसभा भवन रोशनी से जगमगाया

83वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन की तैयारियां चल रही हैं। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को भी समन्वय के लिए सम्मेलन की तैयारियों की जिम्मेदारियां दी गई है। विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति और उपसभापतियों का जयपुर में आगमन सोमवार 9 जनवरी से शुरू हो जायेगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी इस अखिल भारतीय सम्मेलन की तैयारियों पर लगातार नजर रखे हुए हैं। विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर निर्देश प्रदान कर रहे हैं। विधानसभा भवन पर रोशनी-83 वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दौरान रविवार 8 जनवरी से विधानसभा भवन पर रोशनी की गई है। यह रोशनी विधानसभा भवन पर 13 जनवरी तक की जायेगी। इस दौरान देश के विभिन्न भागों से आये अतिथि जयपुर में मौजूद रहेंगे।

दीक्षांत समारोह में 123 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक

राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने रविवार को राजस्थान विश्व विद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां वितरित कीं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालयों में मौलिक स्थापनाओं को दिशा देने वाली शोध संस्कृति विकसित करने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्राचीन ज्ञान के साथ वैश्विक स्तर पर हो रहे शोध व अनुसंधान से प्रत्यक्ष जुड़ने के अवसर मिलने चाहिए। राज्यपाल मिश्र रविवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के कन्वेंशन सेंटर में विश्वविद्यालय के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 32वें दीक्षान्त समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में विगत परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 123 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए। इस अवसर पर 8 संकायों में 395 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्रियां भी प्रदान की गई। समारोह में कुलपति प्रो. राजीव जैन, कुलसचिव नीलिमा तक्षक, सीनेट और सिंडिकेट सदस्यों के साथ शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

- 8 संकायों के 395 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधियां भी वितरित की गई
- राज्यपाल ने यूनिवर्सिटी परिसर में संविधान पार्क का शिलान्यास भी किया

उधर दीक्षांत समारोह में 3 गोल्ड मैडल जीतने वाली मनीषा कुमारी ने यूनिवर्सिटी प्रशासन की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि आज मुझे तीन गोल्ड मेडल मिले है। लेकिन इस खास पल को देखने के लिए मेरे माता-पिता को यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा समारोह में एंट्री नहीं दी गई, जो काफी दु:खद है। वही जब इस मामले पर यूनिवर्सिटी प्रशासन से सवाल किया गया। तो उन्होंने कोरोना गाइडलाइन के अनुरूप सिर्फ छात्रों को ही प्रवेश देने की बात कही।

इससे पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय भवन के सामने स्थित उद्यान में शिला पट्टिका का अनावरण कर संविधान पार्क का शिलान्यास भी किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में इनोवेशन क्लस्टर को जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान परिषद् द्वारा ई-युवा सेंटर के रूप में विकसित करने की स्वीकृति प्रदान करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे यहां पढने वाले विद्यार्थी शोध-अनुसंधान के वैश्विक नवाचारों से जुड सकेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में पढने वाले युवाओं को संविधान से जुड़े अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्यों और इसकी महान संस्कृति के बारे में जानकारी हो, इस उद्देश्य से राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क बनाने की पहल की गई है। उन्होंने भारतीय संविधान को विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या बताते हुए कहा कि संविधान देश को शासित करने से जुड़ा ग्रंथभर नहीं है, यह हमारी उदात्त जीवन परम्पराओं का संवाहक है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत ऐसे पाठ्यक्रम तैयार किए जाने का आव्हान किया जिससे विद्यार्थी विषय के साथ आसपास के परिवेश के प्रति भी जागरुक बनें। उन्होंने परिसर में तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र को देश के अग्रणी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किए जाने का सुझाव दिया।

बार-बार आंतों की सिकुड़न में बैलून से होगा इलाज

जयपुर,(कासं)। आंतों की बीमारी क्रोम्स के कारण बार-बार होने वाली सिकुड़न के लिए अब सर्जरी की आवश्यकता नहीं है। अब एंडोस्कोपी के जरिए ही बैलून डायलेटेशन की मदद से सिकुड़न को खोला जा सकता है। जापान के डॉ. हिरोनोरी यामामोटो ने यह जानकारी दी। रविवार को यहां जेईसीसी में इंडियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी की ओर से आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईएसजीकॉन-2023 का समापन हुआ। वहीं इंडियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलोजी के अध्यक्ष अब एसएमएस हॉस्पिटल के डॉ. संदीप निझावन होंगे। वे राजस्थान से दूसरे अध्यक्ष हैं।

- एसएमएस के डॉ. संदीप निझावन इंडियन सोसाइटी ऑफ गेस्ट्रो एंट्रोलॉजी के अध्यक्ष बने

कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और सीनियर गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. रमेश रूप राय ने बताया कि इस चार दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश से तीन हजार विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस दौरान 200 से अधिक रिसर्च पोस्टर प्रदर्शित हुए। ट्रेजरार डॉ. मुकेश कल्ला ने बताया कि अंतिम दिन में अलग-अलग तकनीकी सत्रों में रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए। जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. अनुराग गोविल, डॉ. अमित माथुर और डॉ. सुनील दाधीच ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. हिरोनोरी यामामोटो ने क्रोम्स डिजीज में नए उपचार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब तक यही कहा जाता था कि क्रोम्स डिजीज में पहले आंत में घाव बनते थे और

डॉ.निलय

फिर आंत का वह हिस्सा सिकुड़ जाता था। इसके बाद सर्जरी करके काटकर बाकी का हिस्सा जोड़ना पड़ता था। कई बार यह होने पर परेशानी पैदा हो जाती थी। कई बार छोटी आंत की लम्बाई इसी वजह से कम हो जाती थी। अब इसे बैलुन डायलेशन की मदद से सिकुड़ी हुई आंत को एंडोस्कोपी के द्वारा खोल कर सही कर सकते हैं। इसमें सर्जरी की जरूरत नहीं होती है, एक बार नहीं कई बार एंडोस्कोपी के जरिए बिना सर्जरी के यह किया जा सकता है।

डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि अब एंडोस्कोपी के जरिए ही पेट में मौजूद कैंसर ट्यूमर को लाइव देखा जा सकता है। इसके लिए ऑप्टिक बायोप्सी प्रोसीजर किया जाता है, इसमें एंडोस्कोपी से ट्यूमर को देखते हैं, इसमें जूम की सहायता से ट्यूमर की सेल्स की आसानी से देखी जा सकती है। ऐसे में देखने मात्र से ही बिना बायोप्सी के पता लगाया जा सकता है कि ट्यूमर कैंसर का तो नहीं है। वहीं ईएसडी और ईएमआर नए एंडोस्कोपी प्रोसीजर हैं, जो कैंसर का पहले ही पता लगाने में कारगर साबित होते हैं।

प्रवासी प्रकोष्ठ का संगठन में बहुत महत्व है : डॉ. सतीश पूनियां

जयपुर, (का.सं.)। शहर के इंद्रलोक ऑडिटोरियम में आयोजित प्रवासी प्रकोष्ठ की कार्यशाला कुल 5 सत्रों के साथ संपन्न हुई। कार्यशाला में देश भर से आए प्रवासियों ने अपने अपने राज्यों के कल्चर के साथ भाग लिया। उद्घाटन सत्र में प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूनिया ने कहा कि राजस्थानी समाज का योगदान अतुल्य है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और कच्छ से अरुणाचल प्रदेश के अंतिम छोर तक हमारा राजस्थानी व्यापारी ने अपनी अलग पहचान बना रखी है। प्रवासी प्रकोष्ठ का संगठन में बहुत महत्व है। पहले यह कहा जाता था कि जहां ना पहुंचे मालगाड़ी वहां पहुंचे मारवाड़ी। इसके बाद यह कहा गया जहां ना पहुंचे बैलगाड़ी वहां पर पहुंचे मारवाड़ी। उन्होंने कहा कि प्रदेश संयोजक राजू भाई मंगोड़ीवाला ने जो शुरुआत की है वो बहुत अच्छी शुरुआत है और शुरुआत से ही आधे काम ऐसे ही हो जाते हैं। पूनिया ने कहा कि प्रवासी शांति और

जयपुर के इंद्रलोक ऑडिटोरियम में आयोजित प्रवासी प्रकोष्ठ की कार्यशाला का प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने दीप प्रज्वलन के साथ उद्घाटन किया।

- चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, पुणे, उड़ीसा सहित देशभर के प्रवासियों ने खुले मंच में की चर्चा

सुरक्षा के साथ-साथ व्यापार चाहता है। प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की जनता सुरक्षित नहीं है तो वह प्रवासियों की क्या करेगी। उन्होंने कहा की आगामी चुनाव में प्रवासी से जुड़ी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए संकल्प पत्र तैयार किया जाएगा। समापन सत्र में संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रवासी समाज देश की बहुत बड़ी ताकत है। भारत विश्व गुरु की ओर अग्रेषित है। हमें विश्व विजेता नहीं अपितु विश्व गुरु बनना है। इस सत्र में प्रवासी प्रकोष्ठ के कार्यकारिणी सदस्य डॉ दिलीप अरोड़ा ने जी-20 की स्लाइड पर प्रकाश डाला।

चेन्नई, उड़ीसा, अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, तेलंगाना, हैदराबाद, दिल्ली, पंजाब सहित देश के कोने कोने से प्रवासियों ने भाग लिया। करीब 100 से ज्यादा प्रतिनिधिमंडल ने भी अपने अपने क्षेत्र से जुड़े विषयों के बारे में चर्चा की।

कार्यशाला के तीसरे सत्र में आयोजित की गई सामूहिक परिचर्चा में प्रवासियों का उत्साह बढ़ता दिखा। प्रवासियों ने अपनी जिज्ञासा को शांत करने के लिए मंच पर आसीन अतिथियों से अपने अपने क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी दी। इस परिचर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी, कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता का मार्गदर्शन मिला।

परिवर्तन लाने में समाज की भूमिका बड़ी : निम्बाराम

जयपुर। परिवर्तन सत्ता के बल पर नहीं आता बल्कि समाज के भीतर जन्म लेता है। अच्छी पहल कर सकारात्मकता बढ़ाते हैं तो समाज के बल पर परिवर्तन लाया जा सकता है। समाज में जीवन मूल्य, नैतिक मूल्य व सदाचार को लेकर चलने की क्षमता है। इसलिए समाज की भूमिका बड़ी है। हम सभी हिन्दू समाज के घटक हैं। कोई हिन्दू पतित नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने ये विचार व्यक्त किए।

नवमतदाता के बीच जाकर युवा विरोधी नीतियों पर चर्चा करना : डॉ. पूनियां

जयपुर।भाजपा प्रदेश कार्यालय पर पार्टी के नव मतदाता अभियान को लेकर कार्यशाला में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया, प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर, संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, प्रदेश मंत्री मधु कुमावत एवं नव मतदाता अभियान प्रभारी हिमांशु शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों के संयोजक और सह संयोजकों ने भाग लिया। कार्यशाला में डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि 2023 में कॉंग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए नव मतदाताओं की अहम भूमिका है। कार्ययोजना से कार्य करने पर ही नव मतदाता प्रभावी रूप से भाजपा से जुड़ेंगे। उनके बीच जाकर कॉंग्रेस की युवा विरोधी नीतियों की चर्चा करना नव मतदाताओं को भाजपा से जोड़ने में सहायक होगी। विजया राहटकर ने संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश को बनाता है, सपनों को पूरा करने की ताकत युवाओं में होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जितनी भी योजनाओं का लाए, उनमें सर्वाधिक योजनाएं युवाओं के लिए है, योजनाओं को युवाओं तक पहुंचा कर अपने से जोड़ना है। देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाने के लिए युवाओं का जागृत होना बहुत जरूरी है। नव मतदाताओं में बहुत जोश होता है। उनके जोश को सही दिशा दिखाने का काम भाजपा कर रही हैं।अभियान के अंतर्गत शिक्षण संस्थाओं, खेल के मैदान, कोचिंग, लाइब्रेरी आदि में जाकर नव मतदाताओं को जोड़ना है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकहित की योजनाएँ में सर्वाधिक योजनाएं युवाओं के लिए हैं : विजया राहटकर

चन्द्रशेखर ने कहा कि किसी भी अभियान को पूरा करने के लिए एक अच्छी टीम की आवश्यकता होती है।

''कौन देश को वासी'' उपन्यास में मनुष्यता बचाये रखने का सन्देश है : सूर्यबाला

जयपुर, (का.सं.)। स्पंदन महिला साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थान जयपुर और राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. सूर्य बाला के बहुचर्चित उपन्यास 'कौन देश को वासी, वेणु की डायरी' पर संगोष्ठी का आयोजन अकादमी परिसर में किया गया।

कार्यक्रम का आग़ाज़ शिवानी जयपुर की मधुर सरस्वती वंदना से हुआ। स्पंदन अध्यक्ष नीलिमा टिक्कू ने बताया कि सूर्यबाला पर साहित्य समर्था पत्रिका विशेषांक प्रकाशित किया जा चुका है। वे कहानी.उपन्यास और व्यंग्य की कई किताबें लिख चुकी हैं। उनके इस उपन्यास को 2020 पृथ्वीनाथ भान सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। विदेश में पढाई और नौकरी करते हुए युवाओं और उनके अभिभावकों की मन:स्थितियों को लेकर मानवीय संवेदनाओं के इर्द गिर्द बहुत ख़ूबसूरती से बुना गया यह उपन्यास दो संस्कृतियों के सकारात्मक-नकारात्मक पहलुओं को दर्शाता विशाल कैनवास पर लिखा गया सशक्त उपन्यास है।

कार्यक्रम के आरम्भ में राजस्थान हिन्दी अकादमी के निदेशक बजरंग लाल सैनी ने सबका स्वागत करते हुए राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी के साहित्य के प्रति किये जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में बताया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि

स्पंदन महिला साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थान जयपुर और राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. सूर्य बाला के बहुचर्चित उपन्यास 'कौन देश को वासी, वेणु की डायरी' पर संगोष्ठी का आयोजन अकादमी परिसर में किया गया।

फ़ारूक़ आफ़रीदी ने उपन्यास को एक मील का पत्थर बताया जिसमें प्रवासी भारतीयों और अभिभावकों का विस्तार से वर्णन है। अंतिम सत्य मनुष्यता बनी रहे यही कामना है। प्रो.प्रबोध गोविल ने कहा ये उपन्यास अल्टिमेट है। डॉ. सुषमा सिंघवी ने उपन्यास में पराए देश के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नन्द भारद्वाज ने उपन्यास की नीर क्षीर समीक्षा की।

सूर्यबाला ने कहा कि प्रवासी भारतीय होना भारतीय समाज की महत्वकांक्षा भी है, सपना भी है। क्या है मनुष्य की प्रगति और सभ्यताओं के चरम विकास की नियति-लालसाओं के चक्रवात में फँसे जब हम अपनी धरती छोड़ते हैं तो कब तक और कितनी छूट पाती है वह हमसे-अपने देश में रहते हुए हम क्यों नहीं करते उसे महिमा मंडित? कहाँ किस बिंदु पर मिलती है सुख सुविधाओं, सच और झूठ, सफलता और असफलता की विभाजक रेखाएँ और कहाँ पहुँच कर सब कुछ पाने के बाद भी जीवन छूँछा होने लगता है। कहां पूरी होती है जीवन की असली तलाश उत्तर आधुनिकता ने समाज को-विवाह संस्था-सम्बंधों का सन्नाटा मचा हुआ है। रिश्ते-मानवीय सम्बंध से परे हम कौन सा जीवन जी रहे हैं। दर्द का हद से गुज़र जाना ही उपन्यास लिखने का कारण बना इसी पर यह उपन्यास केन्द्रित है।

दो जिलों में 5 नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में रविवार को 5 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इस बीच 16 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 68 रह गए हैं। वहीं पिछले चौबीस घंटों में इस बीमारी से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में रविवार को जयपुर में 3 और उदयपुर में 2 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले राज्य में शनिवार को 7 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में आज दुर्गापुरा, कानोता और शास्त्री नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच प्रदेश में 5901 सैंपल की जांच की गई।

राज्य में रविवार को नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 16 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 68 रह गए हैं। इनमें से 62 मरीज जयपुर में है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

विद्याधर नगर में स्मैक तस्करी करने वाली मां-बेटी गिरफ्तार

पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही सरगना हरिओम फरार हुआ

जयपुर (कासं)। डीएसटी और विधाधर नगर थाना पुलिस ने स्मैक तस्करी में लिप्त मां-बेटी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई की भनक लगने पर सरगना बेटा फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने मौके से 13.50 ग्राम स्मैक सहित बिक्री राशि 10 लाख 6 हजार 520 रूपए जब्त किए हैं। आरोपियों से नेटवर्क को लेकर पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी (नॉर्थ) परिस देशमुख ने बताया मुखबिर की सूचना पर सुन्दर नगर स्थित मकान संख्या-50 में दबिश दी गई, जहां तलाशी में 13.50 ग्राम स्मैक मिली। वहीं बिक्री राशि 10 लाख 6 हजार 520 रूपए जब्त की गई है। इस पर तस्करी में लिप्त कंचन देवी (59) और इसकी बेटी रीना मीणा (35) को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई की भनक लगने पर सरगना कंचन का पति हरिओम मीणा फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। इस गिरोह का सरगना हरिओम मीणा है, जो जयपुर के बाहर तस्करों से संपर्क में है। वह खुद ही स्मैक का पूरा कारोबार देखता है। घर पर मां बेटी बेचने का काम करती है। पुलिस हरिओम मीणा की सरगर्मी से तलाश में जुटी है, जबकि आरोपित महिलाओं से नेटवर्क को

डीएसटी और विधाधर नगर थाना पुलिस ने स्मैक तस्करी में लिप्त मां-बेटी कंचन मीणा व रीना को गिरफ्तार किया।

लेकर पूछताछ की जा रही है।

विद्याधर नगर नगर थाना सीआई वीरेन्द्र कुरील ने बताया कि जांच पडताल के दौरान सामने आया है। कंचन अपने पति हरिओम मीणा के जरिए मादक पदार्थ अपने घर से ही सप्लाई करती है। हरिओम लंबे समय से मादक पदार्थ बेचने का काम करता है। हरिओम कोलकाता से यह मादक पदार्थ स्मैक लेकर आता है। जयपुर में पुड़िया बनाकर उसे बेचता था। पुलिस कार्रवाई की जानकारी मिलने से आरोपी अभी तक घर नहीं लौटा हैं। विधाधर नगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर रीना मीणा और कंचन मीणा को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के मकान में सर्च के दौरान 9 मोबाइल फोन मिले हैं। आरोपियों ने बताया कि जिन के पास पैसा नहीं होता था वे लोग मोबाइल को गिरवी रख कर स्मैक लेकर जाते थे। कुछ लोग पैसा देकर मोबाइल ले जाते थे। लेकिन कई लोग ऐसे भी थे जो पैसों की व्यवस्था नहीं कर मोबाइल फोन नहीं छुडवा पाते थे। क्यों की यह मोबाइल फोन गिरवी रखे हुए थे इस लिए इन्हे पैक कर के रखा हुआ था। जब भी स्मैक खरीदने वाले के पास पैसों की इंतजाम हो जाता वह मोबाइल लेने आ जाता था।